भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः 5832

उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 30 मार्च, 2026

09 चैत्र, 1948 (शक)

तमिलनाडु में विरासत स्मारक और पुरातात्विक स्थल

5832. **श्री मलैयारासन डी.:**

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तमिलनाडु में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा वर्तमान में संरक्षित और अनुरक्षित विरासत स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों की कुल संख्या का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने इन संरक्षित स्मारकों के संरक्षण की स्थिति, संरचनात्मक स्थिरता और अनुरक्षण संबंधी आवश्यकताओं का मूल्यांकन करने के लिए हाल ही में कोई आकलन या सर्वेक्षण किया है;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान विभिन्न विरासत संरक्षण कार्यक्रमों के अंतर्गत शुरू की गई परियोजनाओं सहित विरासत संरचनाओं के जीर्णोद्धार, संरक्षण और परिरक्षण के लिए आवंटित और उपयोग की गई कुल निधि का ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा देश भर में पर्यटक सुविधाओं में सुधार करने, डिजिटल प्रलेखन, जन जागरूकता अभियान और राज्य सरकारों के साथ सहयोग के लिए पहलों सहित अल्प-ज्ञात विरासत स्थलों पर सांस्कृतिक विरासत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति और पर्यटन मंत्री

(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की देखरेख और अनुरक्षण के तहत तमिलनाडु राज्य में 412 संरक्षित स्मारक और संरक्षित क्षेत्र हैं।

(ख) संरक्षित स्मारकों और स्थलों की स्थिति का आकलन करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकारियों द्वारा समय-समय पर इनका निरीक्षण किया जाता है। तदनुसार, राष्ट्रीय संरक्षण नीति, 2014 का अनुपालन करते हुए, संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार इनका संरक्षण किया जाता है।

(ग): पिछले तीन वर्षों के दौरान, देश भर में 3686 संरक्षित स्मारकों और संरक्षित क्षेत्रों के संरक्षण और अनुरक्षण करने के लिए आवंटित राशि और किए गए व्यय का ब्यौरा निम्नानुसार हैः

(राशि करोड़ रुपये में)

वर्ष	**आवंटन**	**व्यय**
2022-23	392.71	391.93
2023-24	443.53	443.53
2024-25	313.43	313.04

(घ): तमिलनाडु सहित देश के विभिन्न संरक्षित स्मारकों और संरक्षित क्षेत्रों में आवश्यकता और व्यवहार्यता के अनुसार पर्यटक सुविधाएं प्रदान की जाती हैं, जिनमें विश्व धरोहर संपत्तियां भी शामिल हैं। इसके अलावा, टिकट वाले और विश्व धरोहर स्मारकों में पेयजल, शौचालय और बेंच, रास्ते, व्हील चेयर, रैंप, साइनेज, ब्रेल साइनेज आदि जैसी सुविधाएं दी जाती हैं। ऐसी सुविधाएं प्रदान करना और उनका उन्नयन करना एक सतत् प्रक्रिया है। सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के अलावा, विश्व धरोहर सप्ताह, अंतर्राष्ट्रीय

संग्रहालय दिवस, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गांधी जयंती आदि जैसे विभिन्न अवसरों पर धरोहर की सैर, प्रदर्शनी, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला प्रतियोगिता आदि सांस्कृतिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिनमें स्कूल और कॉलेज के छात्रों और आम जनता को भी शामिल किया जाता है। इसके अलावा, राष्ट्रीय संस्मारक और पुरावशेष मिशन के अधिदेश के अनुसार, दस्तावेजीकरण के कार्य में तेजी लाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में नियमित रूप से कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं और साथ ही विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, गैर सरकारी संगठनों और अन्य इच्छुक संगठनों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिसमें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के क्षेत्रीय कार्यालयों और राज्य स्तरीय कार्यान्वयन समितियों के साथ समन्वय किया जाता है।

*****